Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Estd. 1861

BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE
FIRST TERM EXAMINATION (2024-25)
CLASS - IX
HINDI

Time : 3 hrs. M.M. : 80

The paper comprises **two** questions from **Section "A"**. Attempt **any four questions** from **Section "B"** answering at least one question each from the two books, you have studied and any two other questions.

SECTION "A"

Attempt all questions **(40 marks)**

Question No.1 (15)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए–

1. प्रदूषण की समस्या और समाधान विस्तारपूर्वक लिखिए।
2. मनुष्य स्वयं अपने भाग्य का निर्माता है। भाग्य के भरोसे रहने वाले निष्क्रिय व्यक्ति जीवन का सच्चा सुख नही पा सकता, कर्म ही जीवन है।
   इस विषय पर अपने विचार लिखिए।
3. आपके अनेक शौक होगें। उनमें से किसी एक ऐसे शौक का वर्णन कीजिए जिससे अपने व्यक्तित्व के विकास के साथ–साथ आपने आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया हो।
4. मंहगाई वर्तमान समय की एक बड़ी समस्या है। इसके प्रभाव तथा इसे दूर करने के उपाय पर अपने विचार लिखिए।
5. प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

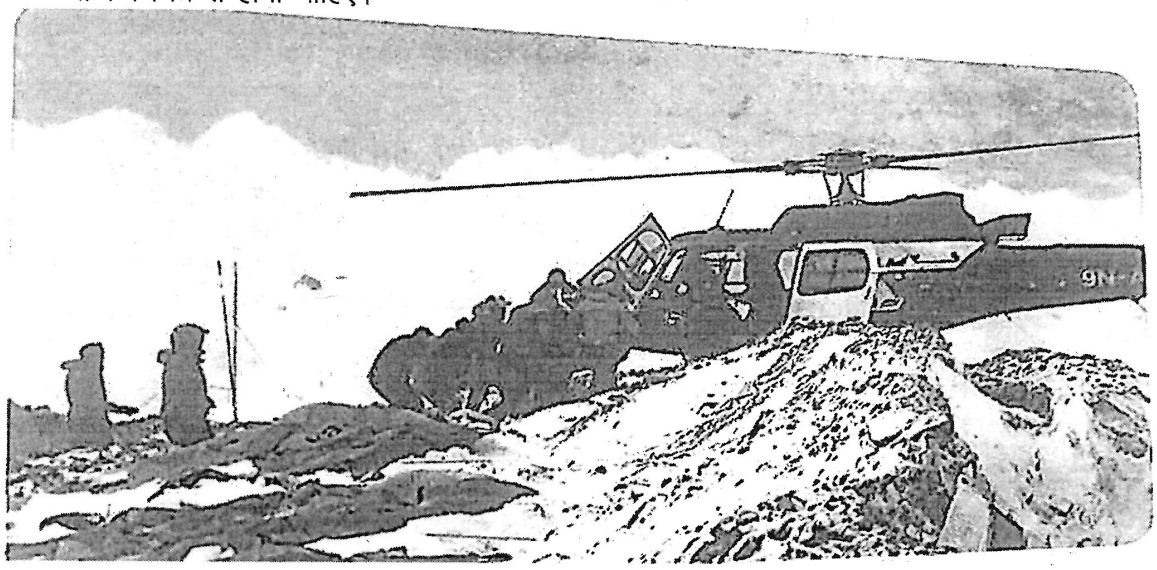

Question No.2. (7)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए –

आपके क्षेत्र में चोरी तथा अपहरण की घटनाएँ बढ़ रही है। इन पर रोक लगाने का आग्रह करते हुए क्षेत्र के थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को एक पत्र लिखकर बताइए कि आपने नवीं कक्षा में कौन–कौन से विषय लिए है तथा यह भी स्पष्ट कीजिए कि इन विषयों के चयन में आपका कौन सा लक्ष्य छिपा है।

Question No.3.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर यथा संभव अपनी भाषा में होनी चाहिए। (10)

यह युग एक प्रकार से पैसे का युग है। चारों ओर धन की पुकार मची हुयी है। फिर भी किसी गरीब लेखक तथा विद्वान व्यक्ति का करोड़पतियों से अधिक आदर होता है। धन हमेशा ही बुरी आदतों को प्रोत्साहित करता है। धन–लोलुप व्यक्ति की सफलता हजारों को दुख और विषाद में डाल सकती है। बुद्धि की दुनियाँ में सफलता से समाज की उन्नति में सहायता मिलती है। धनी, धन की घमंड में अपना चरित्र खो बैठता है और धनहीन उसे ही अपना सब कुछ समझकर अपनाता है। चरित्रवान पुरूष चरित्र को ईश्वर का एक आदेश मानता है और धन–संचय या लाभ–हानि की चिन्ता किए बिना निस्वार्थ भाव से अपने कार्य करता है। इसलिये हम सब चरित्रवान पर भरोसा करते है। संसार में विजय पाने के लिये चरित्र बड़ा मूल्यवान साधन होता है। चरित्र के मार्ग पर चलने वाला आदमी ही सच्चे अर्थो में महान होता है।

संसार में जिसका देवता सुवर्ण होता है, उसका हृदय प्रायः पत्थर का हो जाता है। उसको दूसरों के आँसू पोंछने में विस्वास नही होता। वह दूसरों को मिटाकर बनता है।

दूसरों का घर गिराकर अपना धर बनाता है, उसकी नस–नस में लोभ भरा होता है। संसार

Python
Robotics & AI
JAVA
Comp. Applications
Experts' Institute
8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

में ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो स्वार्थ के लिये नही परमार्थ के लिये जीवित रहते है, जों धन के लिये स्वाभिमान नही बेंचते जिनकी अंतरात्मा एक दिशा–सूचक यंत्र की सूई के समान एक शुभ नक्षत्र की ओर ही देखा करती है। जो अपने समय, शक्ति और जीवन को दूसरों के लिए, देश जाति और समाज के लिये अर्पित कर देते है। ऐसे ही आदमियों का चरित्र महान होता है।

प्रश्न सं0 1 आधुनिक समय को ''पैसे का युग'' क्यों कहा गया है?
प्रश्न सं0 2 बुद्धि की दुनियाँ में कौन लोग आते है?
प्रश्न सं0 3 चरित्रवान समाज के लिये किस प्रकार उपयोगी होता है?
प्रश्न सं0 4 ''संसार में जिसका देवता सुवर्ण होता है – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न सं0 5 ''शुभ नक्षत्र की ओर'' से किस ओर संकेत है?

Question No.4.

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए – (6)

1 अल्प का विलोम शब्द बताइए –
(क) अधिक (ख) प्रचूर (ग) सम्पूर्ण (ध) अपूर्व

2. अध्यापन का पर्यायवाची शब्द बताइए –
(क) सोपान (ख) चपला (ग) पाठन (ध) जिज्ञासु

3. आँखों का काँटा मुहावरे का अर्थ बताइए –
(क) खरी–खोटी सुनाना (ख) भेद सामने आना
(ग) अप्रिय व्यक्ति (ध) धोखा देना

4. अत्यधिक का शुद्ध रूप बताईये –
(क) अत्याधीक (ख) अत्यधिक
(ग) अधिक (ध) आत्यधिक

5. मानव शब्द का विशेषण बताइए –
(क) मानवता (ख) अत्यधिक
(ग) अधिक (ध) आत्यधिक

6. सृजन शब्द का भाववाचक संज्ञा बताइए –
(क) सज्जनता (ख) सज्जन
(ग) सरल (ध) सृजनता

7. दिए गए शब्दों को भाववाचक संज्ञा द्वारा रिक्त स्थान भरिए – (2)
(क) उसे हर काम में ––––––––में मिल रही है। (सफल)
(ख) सौरभ के ––––––––––––––को देखकर मैं चकित रह गया। (साहसी)

SECTION "B"

इस Section से केवल चार प्रश्नो के उत्तर दे। **(40 marks)**

Question No.5 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

अगर तुम्हें कोई ज्यादा दे, तो अवश्य चले जाओ। मैं तनख्वाह नही बढ़ाऊँगा''।
(बात अठन्नी की)

(क) श्रोता कौन है, उसने तनख्वाह बढ़ाने की प्रार्थना क्यों की । (2)
(ख) वेतन न बढ़ने पर भी रसीला बाबू जगत सिंह की नौकरी क्यों नही छोड़ना चाहता था? (2)
(ग) वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिये। उसने उपर्युक्त वाक्य किस सन्दर्भ में कहा है? (3)
(ध) रसीला को रूपयों की आवश्यकता क्यों थी? उसकी सहायता किसने की? सहायता करने वाले के सम्बन्ध में उसने क्या विचार किया? (3)

Question No.6 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए –

'' रसीला ने तुरन्त अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने कोई बहाना नही बनाया।''

(क) रसीला का मुकदमा किस की अदालत में पेश हुआ? (2)
(ख) रसीला का क्या अपराध था? उसने तुरन्त स्वीकार कर लिया, इससे उसके चरित्र की किस विशेषता की ओर संकेत होता है? (2)
(ग) रसीला क्या क्या बहाने बनाकर अपने को बेकसूर साबित कर सकता था, पर उसने ऐसा क्यों नही किया? (3)
(ध) रसीला को कितनी सजा हुई? न्याय व्यवस्था पर टिप्पणी कीजिए। (3)

Question No.7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए –

'' हुजूर मान जाइए। आप समझे आपने मेरा काम मुफ्त में किया है।''

(क) रसीला यह सब सुनकर क्या सोचता है? स्पष्ट कीजिऐ। (2)
(ख) आप अपने हिसाब से सोच कर लिखिए क्या रसीला के प्रति मालिक का व्यवहार सही है? (2)
(ग) वक्ता और श्रोता कौन है? दोनो का परिचय दीजिये। (3)

(घ) उपर्युक्त पंक्तियों में समाज में व्याप्त किस बुराई की ओर संकेत किया गया है? इस बुराई का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है? (3)

Question No.8 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

जब मैं था, तब हरि नही, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामें दो न समाहि।।

(क) जब "मैं था तब हरि नही" – दोहे में मैं शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है? जब मै था तब हरि नही – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

(ख) कबीर के अनुसार प्रेम की गली की क्या विशेषता है? प्रेम की गली में कौन सी दो बातें एक साथ नहीं रह सकती ओर क्यों? (2)

(ग) उपर्युक्त साखी द्वारा कबीर क्या संदेश देना चाहते है? (3)

(ध) प्रेम गली अति साँकरी पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (3)

Question No.9

सात समंद की मसि करौ, लेखनि सब बनराय।
सब धरती कागज करौ, हरि गुन लिखा न जाय।।

(क) "गुरू" के गुण अनंत है" – कबीर ने यह बात किस प्रकार स्पष्ट की है? (2)

(ख) कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। (2)

(ग) कबीर ने भगवान के गुणों का बखान करने के लिये किन–किन वस्तुओं की कल्पना की है? (3)

(ध) 'लेखनि सब बनराय ' का अर्थ लिखिए। (3)

Question No.10

पानी बाढ़ै नाव में, घर में बाढे दाम।
दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम।।
यही सयानों का काम, राम को सुमिरन कीजै।
पर स्वारथ के काज, शीश आगे कर धर दीजै।।
कह 'गिरिधर कविराय बड़ेन की याही बानी।
चलिए चाल सुचाल, राखिए अपना पानी।। (कुंडलिया)

(क) दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानों काम – पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। (2)

(ख) पर–स्वारथ के काम राम को सुमिरन कीजै। कवि के कहने का क्या तात्पर्य है? (2)

(ग) उपर्युक्त कुंडलियाँ में बड़ों की किस वाणी की चर्चा की गयी है। (3)

(ग) उपर्युक्त कुडलियाँ से क्या शिक्षा मिलती है? (3)

****

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE